विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 3 जून 2020

वर्ग अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

वर्ण- विच्छेद तथा वर्ण- संयोजन

वर्ण विच्छेद- किसी शब्द में उपस्थित सभी वर्णों को पृथक-**पृथक करके लिखने की प्रक्रिया को वर्ण विच्छेद कहते हैं जैसे**

कक्षा- क्+अ+क्+ष्+आ

यज्ञ- य्+अ+ज्+ञ्+अ

विद्या- व्+इ+द्+र्+आ

वर्ण संयोजन- पृथक –पृथक किए गए सभी बहनों को मिलाकर बनाने की प्रक्रिया वर्ण संयोजन कहलाती है, जैसे-

प्+र्+अ+ह्+आ+र्+अः=प्रहारं

व्+आ+ह्+र्+अ्ः =वाह्यः

वर्णों के उच्चारण- स्थान

वर्णों का उच्चारण करते समय जिह्वा मुख के किसी-न- किसी भाग को स्पर्श करती है। किसी वर्ण को उच्चरित करते समय जीभ जिस भाग को छूती है, वही स्थान उस वर्ण का उच्चारण स्थान कहलाता है।

उच्चारण स्थान	वर्ण	वर्ण- संज्ञा
1 कण्ठ	अ,आ,क्,ख्,ग,घ्,ङ्,ह्, विसर्ग (:)	कण्ठ्य
2 तालु	इ,ई,च्,छ,ज्,झ्,ञ्,श्	तालव्य
3 मूर्धा	ऋ,ट्,ठ्,ड्,ढ्,ण्,र् ष्,	मूर्धन्य
4 दन्त	त्,थ्,द्,ध्,म्,स्	दन्त्य
5ओष्ठ	उ,ऊ,त्,र्,ब्,म्,म्,	ओष्ठ्य
6कण्ठतालु	ए,ऐ	कण्ठतालव्य
7कण्ठोष्ठ	ओ,औ	कण्ठोष्ठय
8दन्तोष्ठ	व्	दन्तोष्ठ्य
9नासिका	अनुस्वार(अं)	नासिक्य